

प्रेस नोट

विवाह तय करने की पारम्परिक प्रक्रिया में बदलाव की आवश्यकता

आज के दौर में परिवारजन विभिन्न वैवाहिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्हें अपने योग्य बेटे-बेटियों के लिये योग्य रिश्ते की जानकारी का अभाव है। रिश्ते की चयन की चली आ रही पारंपरिक प्रक्रिया से अवरोध है। ऐसा देखने में आ रहा है कि परिवारजन अपने मित्रो-रिश्तेदारों के साथ योग्य रिश्ता ढूंढने का प्रयास करते हैं। रिश्ते मिल भी जाये तो उन्हें विवाह में बदलना, रिश्ते का टिकाये रखना एवं परिवार में हमेशा खुशहाली रही ऐसा कम होता जा रहा है।

ऐसे समय में वैवाहिक, पारिवारिक, सामाजिक रूप से अनुभवों के आधार पर BJS के संस्थापक श्री. शांतिलालजी मुथ्था ने “ रिश्ते चयन को लेकर पारंपरिक प्रक्रिया में बदलाव को लेकर एक चिंतन समाज के सामने प्रस्तुत किया है, जिसमें कैसी होगी यह प्रक्रिया, क्या होंगे गुण दोष एवं उससे रिश्ते तय करना कैसे आसन व लाभप्रद होंगा, इन विचारों को विस्तृत रूप से समाज व परिवारों तक पहुंचाने के लिये दो घंटे का लेक्चर आयोजित किया गया है।

भारतीय जैन संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी

श्री.....दिनांक.....समय.....

स्थान.....

पर समाज के समक्ष प्रस्तुत करेंगे।

अधिक जानकारी हेतू, मोबाइल पर संपर्क करे।